# 1857 की महान क्रांति

- सामान्य परिचय
- प्रमुख कारण
- 1857 की क्रांति: आरंभ
- क्रांति का प्रसार
- 1857 की क्रांति : परिणाम
- क्रांति की प्रकृति
- असफलता के कारण
- अन्य तथ्य

## 1857 : प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

1. **10 मई 1857:** क्रांति की शुरुआत
2. **तात्कालिक कारण :-** सेना में चर्बी वाले कारतूस का प्रयोग
3. **12 मई 1857:-** दिल्ली पर अधिकार
   - बहादुर शाह जफर को नेतृत्वकर्ता
   - सेनानायक - जनरल बख्त खां + कर्नल रिप्ले की हत्या
     1. ब्रिटेन प्रधानमंत्री :- पामस्टर्न
     2. ब्रिटेन की महारानी :- विक्टोरिया
     3. गवर्नर जनरल :- कैनिंग
     4. मुख्य सेनापति :- जॉर्ज एनिसन
     5. भारतीय सम्राट :- बहादुरशाह जफर (द्वितीय)
     6. प्रतीक :- कमल और रोटी
     7. परिषद :- बख्त खां (बरेली) - 1859 में मृत्यु
     8. अंग्रेजी आपातकालीन मुख्यालय :- इलाहाबाद
4. **20 सितंबर 1857:-** हेनरी बर्नार्ड, विल्सन व जॉन निकलसन (मृत्यु) द्वारा दिल्ली पर पुनः अधिकार
   - बहादुर शाह + जीनतमहल :- बर्मा (7 नवंबर 1862 को मृत्यु)
   - जफर के दो बेटों को लाल किले पर गोली मारी (**हडसन के द्वारा**)
5. **मिर्जा गालिब:- "यहां मेरे सामने रक्त का एक विशाल सागर है"**
   - लार्ड एलफिंस्टन :- "दिल्ली का नरसंहार नादिरशाह के आक्रमण से भी भयावह था"
   - कम भागीदारी :- पंजाब, बंगाल, मद्रास, कश्मीर, राजपुताना, हैदराबाद, इंदौर, ग्वालियर, बड़ौदा, भोपाल

## 1857 की क्रांति : मुख्य कारण

***पिछले 100 वर्षों की कंपनी की नीतियां***

1. राजनैतिक व प्रशासनिक नीतियां
2. सामाजिक और धार्मिक कारण
3. सैन्य कारण
4. ब्रिटिश औपनेविशिक आर्थिक नीतियां
5. तात्कालिक कारण चर्बी वाले कारतूस

### 1. राजनैतिक व प्रशासनिक नीतियां

- राजनैतिक व प्रशासनिक नीतियां
  - वैलेस्ली की सहायक संधि
  - डलहौजी की व्यपगत नीति
  - अवध का कुशासन के आधार पर विलय
  - युद्ध द्वारा विलय
    - युद्ध द्वारा विलय
- 1852 में पेशवा बाजीराव-II के उत्तराधिकारी व दत्तक पुत्र नाना साहेब "धुंधूपंत" की 8 लाख वार्षिक की पेंशन बंद कर दी
- मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर II का अपमान
  - मृत्यु के बाद 'सम्राट' पद खत्म
  - लाल किला खाली, महरौली गाँव में रखा
  - सिक्कों पर बादशाह का निशान हटाया
  - 1849 में डलहौजी (लाल किला) व 1856 में कैनिंग (बादशाह से राजा)
- सामाजिक और धार्मिक कारण

### 2. सामाजिक और धार्मिक कारण :-

- रुढिवादी भारतीयों द्वारा समाज सुधार का विरोध
  - सती प्रथा – 1829 - विलियम बैंटिक
  - नरबली – 1844 - लॉर्ड हार्डिंग प्रथम
  - कन्यावध – वेल्ज़ली - 1795 और 1804 के विनियमन
  - दासप्रथा – 1843 - लॉर्ड एलेनबरो
  - विधवा विवाह - 1856 (कैनिंग)
- डलहौजी = धार्मिक निर्योग्यता अधिनियम या लेक्स लौकी अधिनियम 1850 (संख्या क्रमांक 21)
  - धर्म परिवर्तित करने वाले व्यक्ति को पैतृक संपत्ति के अधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा
  - 8 जनवरी 2018 को समाप्त
- 1813 का चार्टर अधिनियम - ईसाई मिशनरियो को भारत मे धर्म प्रचार की अनुमति मिली
  - 1845 में तिरुननवेली (मद्रास) दंगे
- आर. डी. मैंगल्स (EIC अध्यक्ष) = ईश्वर ने हमें भारत का साम्राज्य इसलिए दिया है कि हम ईसा मसीह की पताका यहाँ फहरा सकें

### 3. सैन्य कारण:-

- भारतीय सैनिकों से भेदभाव
  - सर्वोच्च पद - अधिकतम सूबेदार
  - न्यूनतम वेतन - ₹ 7 प्रति माह
  - वेतन व पदोन्नति में भेदभाव
  - अपमानजनक व्यवहार व नस्लवाद
- भारतीय डाकघर अधिनियम 1854
  - डलहौजी
  - सैन्य डाक पर भी शुल्क का आरोपण
- सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम, 1856
  - लार्ड कैनिंग
  - सैनिको को समुद्रपारीय यात्रा करनी होगी
  - धार्मिक भावना आहत

### 4. ब्रिटिश औपनेविशिक आर्थिक नीतियां :-

- भू-राजस्व व्यवस्था द्वारा कृषक शोषण
  - स्थायी बंदोबस्त, महालवाडी व रैयतवाड़ी
  - उच्च दर, व जमींदारो व महाजनों द्वारा शोषण
- कृषि का वाणिज्यीकरण
- विऔद्योगीकरण व विभेदीकृत कर प्रणाली
- असंतुष्ट जमींदार - 1852 में डलहौजी द्वारा निर्मित इनाम आयोग, द्वारा लगभग 20,000 जागीरों की जब्ती

### 5. तात्कालिक कारण चर्बी वाले कारतूस (एनफील्ड राइफल, बुलविच शस्त्रागार, लंदन)

- 1856 में ब्राउन बेस बन्दूक के स्थान पर सैनिकों को नवीन एनफ़िल्ड राइफल प्रदान की गई।
- इसमें प्रयुक्त कारतूस की गोली का बाहरी आवरण चर्बी से ग्रीस किया जाता था, जिसे राइफल में भरने से पहले मुँह से काटकर हटाना पड़ता था
- यह ग्रीस गाय और सुअर की चर्बी से निर्मित था
  - हिन्दू तथा मुस्लिम—दोनों सैनिकों की धार्मिक भावनाओं को आहत किया

## 1857 की क्रांति : आरंभ

- 23 जनवरी, 1857 = दमदम छावनी (कलकत्ता)
  - 23 जनवरी, 1857 = दमदम छावनी (कलकत्ता)
- 26 जनवरी, 1857 = बहरामपुर (बंगाल) – 19वीं इन्फेंट्री
  - ग्रीस वाले कारतूस का प्रयोग करने से इनकार
- 29 मार्च, 1857 = बैरकपुर (बंगाल) – 34वीं नेटिव इन्फेंट्री
  - मंगल पांडे ने उपयोग करने से इंकार किया
  - सर्जेंट मेजर ह्यूज़न और लेफ्टिनेंट बॉघ की हत्या
  - मंगल पाण्डे को गिरफ्तार : हवलदार शेख पलटू

- 8 अप्रैल 1857 = मंगल पांडे को फाँसी
- 21 अप्रैल 1857 = ईश्वरी प्रसाद पाण्डे को फाँसी

❖ 24 अप्रैल 1857 = मेरठ की घुड़सवार बटालियन के सैनिकों ने इंकार कर दिया।
- 85 सैनिकों को कैद कर लिया गया

❖ 10 मई 1857
- मेरठ के सैनिकों ने खुला विद्रोह कर दिया
- क्रांति की औपचारिक शुरुआत

❖ 12 मई 1857
- दिल्ली पूर्ण रूप से सैनिकों के नियंत्रण में आ गई

***31 मई 1857 — क्रांति की प्रस्तावित तिथि***

***नाना साहब और अजीमुल्ला खां ने बिठूर में योजनाबद्ध किया था***

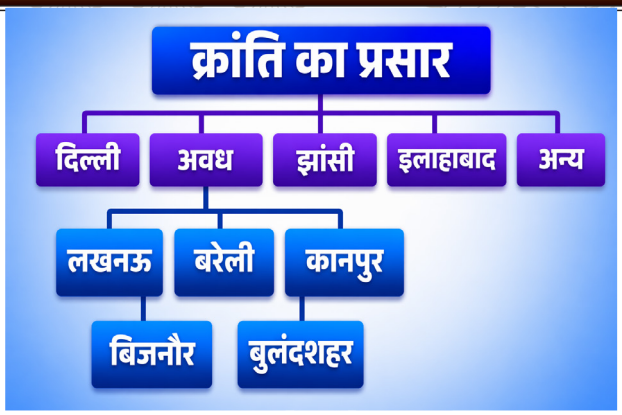


***प्रमुख स्थल एवं नेता***

| अवधि | विद्रोह केंद्र | नेता | विद्रोह दमन |
|---|---|---|---|
| 11 मई, 1857-20 सितंबर, 1858ई | दिल्ली | बहादुरशाह द्वितीय | निकोलसन, हडसन लारेंस |
| 4 जून, 1857-1 मार्च, 1858 ई | लखनऊ | बेगम हजरत महल | कॉलिन कैम्पबेल, हेवलॉक, आउट्रम |
| 5 जून, 1857- 15 मार्च, 1858 ई | कानपुर | नाना साहब | कॉलिन कैम्पबेल, हैवलॉक |
| 5 जून, 1857 - 4 अप्रैल, 1858 ई | झांसी | रानी लक्ष्मीबाई | जनरल ह्यूरोज |
| 20 जून, 1857 - 10 जून 1858 ई | इलाहाबाद | लियाकत अली | कर्नल नील |
| 2 जुलाई 1857 - 15 जून 1858 ई | बनारस | सेना, जनसाधारण | कर्नल नील |
| 15 जुलाई 1857 - 20 जून, 1858 ई | जगदीशपुर,बिहार | कुंवर सिंह | विलियम टेलर, विंसेट आयर |
| 20 जुलाई 1857 - 20 जून, 1858 ई | पंजाब सेना | जनसाधारण | जान लारेंस |
| जून, 1857 | फतेहपुर | अजीमुल्ला | रेनर्ड एवं कैम्पबेल |
| जून, 1857 | फैजाबाद | मौलवी अहमद उल्ला (डंका शाह) | जनरल रेनॉर्ड |
| जून, 1857 | बरेली | खान बहादुर खां, बख्त खाँ | विंसेट आयर, कैम्पबेल |

1. फैजाबाद में मौलवी अहमद उल्ला ने भी जून 1857 में विद्रोह की अगवानी की। उन्होंने विभिन्न धर्मानुयायियों को जेहाद के नाम पर एकत्रित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि "सारे लोग अंग्रेज काफिर के विरूद्ध खड़े हो जाओ और उन्हें भारत से बाहर खदेड़ दो।"
   - अहमदउल्ला की कार्यवाहियों से त्रस्त होकर अंग्रेजों ने उस पर 50,000 रुपये का नकद इनाम घोषित कर दिया था फिर भी वे उसको जीवित न पकड़ सके
   - जनरल रेनार्ड ने 5 जून 1858 को विद्रोह को कुचल दिया और अहमदउल्ला को रूहेलखण्ड की सीमा पर पोवायाँ में गोली मार दी गयी
2. रूहेलखण्ड (बरेली) में खान बहादुर खान (बख्त खाँ) ने मोर्चा संभाला और शीघ्र ही समस्त रूहेलखण्ड विद्रोह की अग्नि में जल उठा, परन्तु 1858 में विंसेट आयर व कैम्पबेल ने,इस विद्रोह को दबा दिया और बहादुर खान को फांसी दे दी गयी।
3. मन्दसौर (म.प्र.) में मुगल घराने के शहजादे फिरोजशाह ने विद्रोह का नेतृत्व किया किंतु बाद में इन्हें रंगून निर्वासित कर दिया गया, जहां पर इनकी मृत्यु हो गयी

## दिल्ली

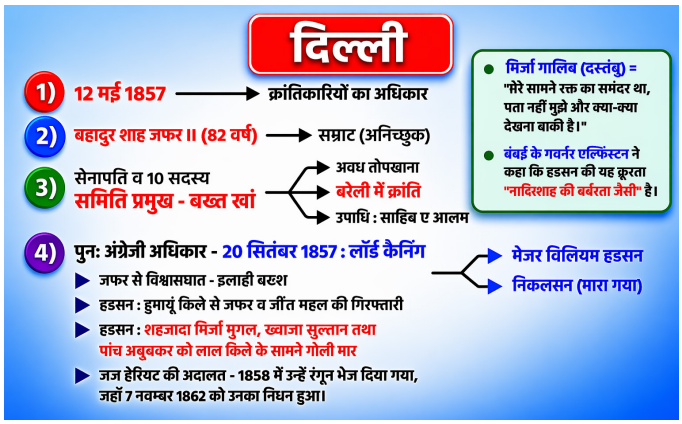


## लखनऊ

1. वाजिद अली शाह (अख्तर पिया : 1847-1856) = 'कुशासन' का आरोप लगाकर अवध का विलय
2. 30 जून 1857 = चिलहट / चिनहट की लड़ाई = हेनरी लॉरेन्स की मृत्यु
   - 1857 में क्रांतिकारियों की सबसे सुनियोजित और निर्णायक विजय
   - बरकत अहमद अली खाँ, अहमदुल्ला खाँ ने पराजित किया।
3. 4 अगस्त 1857 = बेगम हजरत महल (महक परी) ने नाबालिग पुत्र बिरजिस कद्दू (रमजान अली) को 'वली' घोषित कर स्वयं क्रान्ति का नेतृत्व संभाला।
4. सेनापति कैंपबेल (नवम्बर, 1857) = हैवलॉक व आउट्रम को मुक्त करवाया
   - मार्च, 1858 को अवध पर पुनः कब्जा।
5. बेगम हजरत महल : नेपाल में 1879 में निधन

JAMES OUTRAM REPORT 1856

## कानपुर (5 जून 1857)

1. नाना साहब - पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र
   - तात्या टोपे (सेनापति), वकील अजीमुल्ला (क्रांति दूत)
2. 25 जून 1857 – जनरल ह्यूग व्हीलर का आत्मसमर्पण
3. 25 जून को कमांडर व्हीलर ने इस शर्त पर आत्मसमर्पण किया कि " उसे सुरक्षित इलाहाबाद छोड़ दिया जाएगा ।
   - जून 1857 = सत्ती चौरा घाट पर 150 अंग्रेज की हत्या।
   - नाना साहब पर एक लाख का इनाम
4. 06 दिसम्बर, 1857 = कॉलिन कैंपबेल ने पुनः कानपुर पर
   - अजीजान बाई (वैश्या) = क्रांतिकारियों की सहायक
5. नाना साहब नेपाल चले गये

## झाँसी में क्रान्ति

1. रानी लक्ष्मीबाई = मणिकर्णिका (मनुबाई)
   - जन्म :- वाराणसी, 1828
   - पति :- गंगाधरराव निबालकर (1842)
   - दत्तक पुत्र :- दामोदर राव
   - नाना साहब - छबीली बहन
2. कारण :- डलहौजी द्वारा हड़प नीति
3. कालपी (२३ मई 1858, UP) = ह्यूरोज से पराजित
4. 18 जून, 1858 (ग्वालियर) = निधन

5. सहायक = रामचंद्र पांडुरंग (तात्या टोपे), पूरन कोरी की पत्नी छलकारी बाई, गंदरा व काशी
6. ह्यूरोज :- विद्रोहियों में एकमात्र मर्द झांसी की रानी थी

## तात्या टोपे

1. 1857 की क्रांति के अग्रणी वीर व नाना साहब के सेनापति
2. जन्म :- 1814, नासिक
3. मूल नाम :- रामचन्द्र पांडुरंग
4. ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल शाखा में तोपची
5. झांसी की रानी की सहायता करके ग्वालियर पर अधिकार
6. ग्वालियर के शासक जयाजी राव सिंधिया तथा ह्यूरोज द्वारा विद्रोह का दमन
7. छापामार युद्ध प्रणाली
8. अंग्रेजों द्वारा 50 हज़ार का इनाम
9. मानसिंह द्वारा विश्वासघात
10. 18 अप्रैल 1859 :- शिवपुरी में तात्या टोपे को फांसी

***सुभद्रा कुमारी चौहान कविता "खूब लड़ी मर्दानी"***

***वृंदावन लाल उपन्यास : 'झाँसी की रानी'***

***झाँसी के तोपची गुलाम गौंस ने झाँसी की तोप 'घनगर्ज' (घनघोर/घनगर्जन) से अंग्रेजी सेना को बहुत बड़ी क्षति पहुँचाई।***

***उस समय, जयाजीराव सिंधिया ग्वालियर पर शासन करते थे, जो एक वफादार (ब्रिटिश समर्थक) थे।***

## कुंवर सिंह

1. जगदीशपुर (बिहार) में 80 वर्षीय कुंवर सिंह द्वारा 1857 की क्रांति का नेतृत्व
2. छापामार युद्ध प्रणाली
3. विलियम टेलर और आयर द्वारा विद्रोह का दमन
4. मृत्यु :- 26 अप्रैल 1858 जगदीशपुर
5. जन्म :- 1777, भोजपुर (मालवा शासक भोज परमार के वंशज)

***कुँवर सिंह अंग्रेज अधिकारियों की सहायता से अपनी जमींदारी का प्रबंध बोर्ड ऑफ रेवेन्यू को सौंपना चाहते थे।***

***कुँवर सिंह ने सर्वप्रथम अपने जिला शाहाबाद को अंग्रेजी राज्य से मुक्त करवाया और वहाँ से आगे बढ़ते हुए आजमगढ़ जिले (उ.प्र.) में अतरौलिया पहुँचे वहाँ मिलमैन के नेतृत्व वाली अंग्रेजी सेना को हराया।***

***कुँवर सिंह ने अपने विद्रोह का झण्डा बिहार से बाहर, मिर्जापुर, रीवा, बांदा तथा लखनऊ तक फहराया।***

***कुँवर सिंह को पराजित करने के लिए मिलमैन व डेम्स की संयुक्त सेना भेजी गयी, परंतु वह भी पराजित हुई।***

***पुनः कैनिंग ने मार्क के नेतृत्व में सेना भेजी। कुँवर सिंह ने इसे भी धूल चटा दिया, किंतु बांह में गोली लगने से वह घायल हो गये, गोली का जहर शरीर में न फैले इसलिए अपनी बांह को काटकर गंगा में अर्पित कर दिया***

### 1. अन्य नेता

- शहादत खान : इंदौर (1 जुलाई 1857)
- रानी अवंती बाई : रामगढ़ (मध्य प्रदेश)
- फाजिल मोहम्मद खान: भोपाल (मध्य प्रदेश)
- बड़ौत (उ.प्र.) : शाहमल

### 2. मारे गए अंग्रेज अधिकारी

- ह्यूजेसन और बॉघ: मंगल पांडे द्वारा बैरकपुर
- ब्रिगेडियर जनरल जॉन निकोलसन: दिल्ली
- मेजर जनरल हेनरी लॉरेंस: लखनऊ
- मेजर जनरल नील : लखनऊ
- कर्नल फिनिस : कानपुर
- जनरल रेनॉल्ड्स, और मेजर हेनरी वॉकर

### 3. डब्ल्यू रसेल = गोरे आदमी की गाड़ी को मित्रतापूर्ण दृष्टि से नहीं देखाता

4. भारत में एनफील्ड राइफल को ब्रिटिश सेना द्वारा दिसंबर 1856 में पुरानी ब्राउन बेस राइफल के स्थान पर शामिल किया गया था
   - अनुशंसा = हेनरी हार्डिंग
5. क्रांति के बाद अंग्रेजों ने सबसे पहले दिल्ली पर अधिकार किया
6. ब्रिटिश सेना में सबसे अधिक सैनिक अवध के थे
7. अंग्रेजों ने 1859 के अंत तक 1857 के विद्रोह को पूरी तरह दबा दिया था।
8. आजमगढ़ घोषणा (25 अगस्त, 1857) = ब्रिटिश शासन के अत्याचारों की निंदा

## 1857 की क्रांति का परिणाम

### 1. 1 नवम्बर 1858 – महारानी विक्टोरिया की घोषणा:-

- लॉर्ड कैनिंग ने इलाहाबाद में महारानी विक्टोरिया की घोषणा
- महारानी विक्टोरिया = कैसर ए हिन्द की उपाधि (1876)
- दयालु कैनिंग = 1857 के क्रांतिकारियों के प्रति उदार नीति
- भेदभाव दूर करने हेतु 1861 के अधिनियम द्वारा प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन

2. भारत सरकार अधिनियम 1858 द्वारा कंपनी शासन का अंत तथा ब्रिटिश क्राउन (रानी विक्टोरिया) शासन की शुरुआत
   - ब्रिटेन में भारत सचिव व 15 सदस्यीय समिति का गठन
   - गवर्नर जनरल का वायसराय के रूप में परिवर्तन
     - प्रथम - लॉर्ड कैनिंग (क्राउन का प्रतिनिधि)
3. पील आयोग की सिफारिश पर सेना का पुनर्गठन:-
   - भारतीयों की संख्या में कमी
   - तोपखाने व महत्वपूर्ण शाखाएँ केवल अंग्रेजों के हाथ में
   - अवध, पूर्वी उत्तर भारत, बंगाल सेना से भर्ती घटाई
   - सिख, गोरखा तथा पठान को पुरस्कृत किया

### 4. अन्य प्रभाव:-

- देसी रियासतों के प्रति उदार नीति :- विलय नीतियों का त्याग
- जातीय भेदभाव व सांप्रदायिकता को बढ़ावा
- फूट डालो और राज करो की नीति
- सामाजिक-धार्मिक जीवन में अहस्तक्षेप की नीति
- भारत से मुगल सम्राट का अंत

## असफलता के कारण

1. सांझा राष्ट्रीय उद्देश्य के स्थान पर निजी उद्देश्य
2. मजबूत केंद्रीय संगठन का अभाव
3. क्रांति में निश्चित योजना का अभाव - विद्रोह 31 मई 1857 को आरंभ होना था, किंतु 10 मई को ही हो गया
4. कुशल नेतृत्व का अभाव
5. देसी रियासतों व सामंतों का ब्रिटिश शासन को समर्थन:-
   - सिंधिया (ग्वालियर), होल्कर (इंदौर), हैदराबाद का निज़ाम, पटियाला ।
   - "गुलाब सिंह ने आदेश दिया कि कश्मीर में कोई भी क्रांतिकारी दिखे तो गोली मार दो"
   - कैनिंग :- "यदि सिंधिया भी विद्रोह में सम्मिलित हो जाए तो मुझे कल ही भारत छोड़ना पड़ेगा"
6. आधुनिक हथियार व प्रौद्योगिकी का अभाव:-
   - नाना साहब - "यह नीली टोपी वाली राईफ़ल तो गोली चलने से पहले मार देती है"।
   - आवागमन व संचार के साधनों पर अंग्रेजों का अधिकार

- आर्थिक व रसद (लॉजिस्टिक्स) की कमजोरी

7. निम्नलिखित वर्गों का समर्थन नहीं:-
   - साहूकार तथा व्यापारिक
   - बंगाल के ज़मींदार
   - शिक्षित वर्ग
   - मध्यम वर्ग

| *1857 की क्रांति : स्वरूप* | |
|---|---|
| राष्ट्रीय स्वरूप | ➤ सर जॉन सीले = "राष्ट्रभक्ति रहित, स्वार्थी सैनिक विद्रोह, जिसमें स्थानीय नेतृत्व का अभाव था"<br>➤ चार्ल्स रेक्स = विद्रोह का प्रारम्भ सैनिक विद्रोह के रूप में हुआ"<br>➤ J. W. केयी = "सिपाही विद्रोह (Mutiny)"<br>➤ पी. रॉबर्टसन = "सिपाही विद्रोह था जिसका तात्कालिक कारण चर्बी वाले कारतूस थे।" |
| धार्मिक स्वरूप | ➤ L.E.R. रोज़ = "ईसाइयों के विरुद्ध धर्मान्धों का युद्ध"<br>➤ टी.आर. होम्स = "सभ्यता और बर्बरता के बीच संघर्ष"<br>➤ जॉन केयी = "श्वेतों के विरुद्ध काले लोगों का संघर्ष"<br>➤ जी.बी. मॉलेसन और टेलर = "हिन्दू और मुस्लिमों के संयुक्त प्रयास का विद्रोह" |
| सामन्ती स्वरूप | ➤ पर्सिवल स्पीयर = "रजवाड़ों द्वारा पुरातन व्यवस्था को पुनः स्थापित करने का अंतिम प्रयास"<br>➤ पं. जवाहरलाल नेहरू = स्थानीय सामंतों का नेतृत्व वाला विद्रोह था |
| राष्ट्रीय स्वरूप | ➤ बैजामिन डिजरायली :- यह केवल सैन्य विद्रोह नहीं था, इसकी गहरी राष्ट्रीय पृष्ठभूमि थी।<br>➤ अर्नेस्ट जॉन्स :- औपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध बिल्कुल उचित, वैध और आवश्यक था।<br>➤ अशोक मेहता व कार्ल मार्क्स :- राष्ट्रीय क्रान्ति |
| भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम | ➤ विनायक दामोदर सावरकर (पुस्तक - द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस, 1909 में मराठी भाषा)<br>- ब्रिटिश प्रतिबंध के बावजूद यह पुस्तक भारत में गुप्त रूप से पहुँचाई गई।<br>- अनुवाद = M.P.T. आचार्य और मैडम भीकाजी कामा<br>➤ समर्थक :- पट्टाभि सीतारमैया, डॉ एस एन सेन<br>➤ डॉ एस एन सेन - राष्ट्रीयता के अभाव में भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम<br>➤ आर सी मजूमदार : "यह तथाकथित प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम न तो प्रथम था, न राष्ट्रीय, न ही स्वतंत्रता संग्राम।<br>➤ शशि भूषण चौधरी के = पहला स्वतंत्रता संग्राम, जिसे जनता ने आरंभ किया और सेना ने इसे आगे बढ़ाया।" |